B - IV
L - 25
Economy

CRAR → Capital to Risk-Weighted Assets Ratio

बैंको को अपनी जोखिम-भारित सम्पत्तियों का एक न्यूनतम अनुपात Core Capital के रूप में बनाए रखना पड़ता है। इसे CRAR कहते हैं।

जोखिम भारित सम्पत्तियों में मुख्य रूप से बैंकों द्वारा दिए गए ऋणों को सम्मिलित किया जाता है।

Core Capital (आधार पूंजी) में बैंकों की ऐसी पूंजी को सम्मिलित किया जाता है जिसका प्रयोग वे किसी आर्थिक संकट में आसानी से कर सकते हैं।

अन्य घटकों के अलावा, आधार पूंजी में इक्विटी पूंजी को मुख्य रूप से सम्मिलित किया जाता है।

Basel-3 मानकों (UPSC Pt) के अनुसार CRAR का न्यूनतम स्तर 8% होना चाहिए, हालांकि भारत में इसका न्यूनतम स्तर 9 प्रतिशत रखा गया है जिसका वर्गीकरण निम्न प्रकार किया जा सकता है-

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Scanned by CamScanner

(i) Tier - I ⟶ कम से कम 7 प्रतिशत

(ii) Tier - II ⟶ अधिक से अधिक 2 प्रतिशत

9 प्रतिशत

उपर्युक्त के अलावा, इक्विटी पूँजी के रूप में ही अतिरिक्त रूप से 2.5 % का न्यूनतम, CCB (Capital Conservation Buffer) भी बनाए रखना पड़ता है। इस प्रकार, आधार पूँजी की कुल आवश्यकता 11.5 % तक हो जाती है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

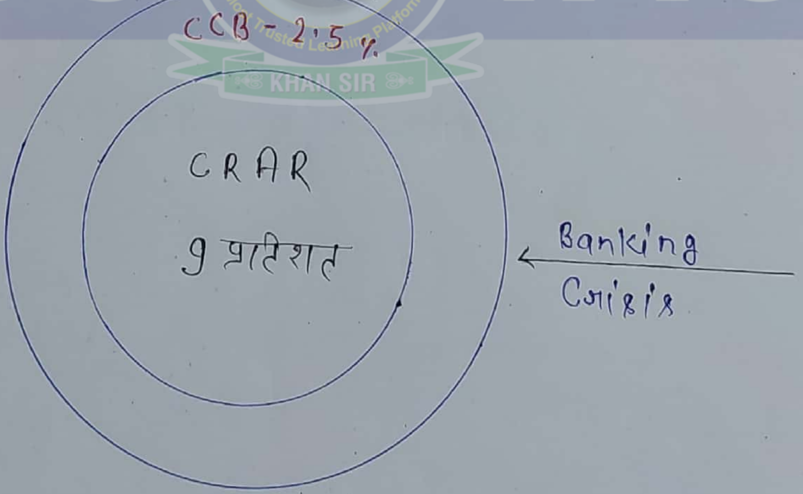

Scanned by CamScanner

Note:-

CRAR को पूंजी पर्याप्तता अनुपात (capital Adequacy) भी कहते हैं।

LCR → Liquidity Coverage Ratio

Basel-3 मानकों से संबंधित एक अनुपात जो आने वाले 30 दिनों की अवधि के लिए निरन्तर रूप से तरलता प्रबन्धन को सुनिश्चित करता है।

$$\frac{\text{HQLA}^*}{\text{Net Cash outflow in coming 30 days}} \geq 100\%$$

* High Quality Liquid Assets.

NSFR - Net Stable Funding Ratio :

(i) एक Basel-3 अनुपात।

(ii) एक वर्ष की समयावधि में तरलता प्रबंधन को सुनिश्चित करता है।

(iii) इसका न्यूनतम स्तर भी 100% होता है।

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR
Scanned by CamScanner

OMO - Open Market operations

खुले बाजार की क्रियाएं

केन्द्रीय बैंक द्वारा G-Sec का लेन-देन।

↓

Purpose : तरलता के स्तर को प्रभावित करना।

- तरलता (+) ↓ Buy (क्रय) ⟶ G-Sec
- तरलता (−) ↓ Sale (विक्रय) ⟶ G-Sec

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

LTROs ⇒ Long term Repo Operations - शुरू 2020 में

Repo प्रणाली के अन्तर्गत रिजर्व बैंक द्वारा विशेष क्षेत्रों की तरलता की समस्या के समाधान के लिए बैंकों को तीन वर्ष की अवधी के लिए धन उधार दिया गया।

Scanned by CamScanner

Microfinance सूक्ष्म वित्तीयन

(a) अर्थ:

कम आय वाले लोगों को कम राशी की विभिन्न वित्तीय सेवायें उपलब्ध करवाना।

↓

Banking for the poor

(b) दायरा (Scope):-

भारत में Microfinance में निम्न सेवाओं को सम्मिलित किया गया है- (UPSC.PT)

(i) Credit साख / ऋण

(ii) Insurance & Pension बीमा और पेंशन

(iii) Remittance of funds कोषों का प्रेषण

(iv) Collection of thrift बचतों का संग्रहण

Note:-

भारत में नाबार्ड के द्वारा 1992 में SBLP* के माध्यम से सूक्ष्म वित्तीयन की शुरूआत की गई थी।

* SHG - Bank Linkage Programme (SBLP)
└ Self help Group - स्वयं सहायता समूह।

KGS IAS KHAN GLOBAL STUDIES KHAN SIR

Scanned by CamScanner

↓
निर्धनों द्वारा तैयार
↓
स्वरोजगार की परियोजनाओं के लिए

KGS IAS
KHAN GLOBAL STUDIES
Most Trusted Learning Platform
KHAN SIR

Scanned by CamScanner